



सागर, सोमवार 30 अक्टूबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

70 घंटे काम की निष्ठा सलाह

प्रसिद्ध आईटी कम्पनी इंफोर्सिस के संस्थापक नारायण मूर्ति भारत के सफलतम व्यवसायों में से एक हैं जिन्हें ऐसा स्वनान्दृश्य और महत्वाकांक्षी कारोबारी कहा जाता है जिन्होंने देश का नाम ऊंचा किया है। उनकी और इन्फोर्सिस की कामयाबी की कथाएं आधुनिक प्रबन्धन के पाठों के रूप में दर्ज हैं। वैसे तो उन्हें एक उदार मालिक के रूप में समझा जाता था लेकिन उन्होंने यह कहकर अपना और समस्त भारतीय उद्योग जगत का कूरू व शोपक चेहरा सामने ला दिया है, जिसमें वे कहते हैं कि चीन से मुकाबला करने के लिये हर युवा को साथ में 70 घंटे काम अवश्य करना चाहिये। यह परामर्श उन्होंने इंफोर्सिस के ही एक पूर्व सीरिफ़ओं मोहनदास पई से एक यूट्यूब शो पर बातचीत के दौरान दिया। कई कारोबारियों ने इसका समर्थन किया है। बड़ी संख्या में ऐसे भी उद्योगी प्रबन्धन सलाहकार हैं जिन्होंने इसे अमानवीय करार देते हुए इसका विरोध किया है।

नारायण मूर्ति की यह सलाह इसलिये हैरान कर देने वाली है क्योंकि वह आधुनिक कार्य संस्कृति के विरुद्ध है। उनकी सलाह ऐसे समय में आई है जबकि विश्व भर में कर्मचारियों पर से काम का बोझ घटाने तथा उन्हें अपने परिवर्तन जानों के साथ समय बढ़ाने के लिये अधिकतम काम लेना मध्यवर्गीय सोच है। पहले जब श्रम कानून नहीं बने थे और कामगारों के अधिकारों की सोच विकसित नहीं हुई थी, अधिकतम उत्पादन लेने के लिये उनसे कसकर काम लिया जाता था। वे लगभग गुलामी के हालात थे। जैसे-जैसे प्रबन्धन अधिक वैज्ञानिक एवं मानवीय होता गया और नई सोचें सामने आई, यह पाया गया कि संरुष्ट कर्मचारी अधिक उत्पादन करता है। तभी से लोगों के काम के घंटे घटाये जाने लगे, उन्हें कार्य स्थल से बाहर सुविधाएं दी जाने लगीं। आज आदर्श कार्य पद्धति (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रैक्टिसेस- एसओपी) कर्मचारियों को निचोड़े में नहीं रहन उन्हें बहतर वातावरण प्रदान करने में भरोसा करती है। तीसरी दुनिया के ज्यादातर और तानाशाही शासन प्रणाली वाले देशों को छोड़ दिया जाये तो लोगों से दुनिया में कहीं भी इतना काम लेने की परम्परा नहीं है और न ही नियम हैं। डेनमार्क, आस्ट्रिया, नार्वे, फिनलैंड जैसे देशों में अधिकतम 31 घंटे काम लिया जाता है और वे सबसे अधिक उत्पादकता वाले देश हैं। वहाँ सप्ताह में 5 दिन ही काम करने का रिवाज है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा तथा यूरोपीय देशों में भी अधिकतम 41 घंटों का चलन है। इन देशों में भी उत्पादकता की दर बहुत ऊंची है।

इसके विपरीत भारत समेत तृतीय विश्व कहलाने वाले एशियाई, अफ्रीकी, लातिन अमेरिकी के ज्यादातर देशों के औद्योगिक एवं कारोबारी प्रतिष्ठान कर्मचारियों से निषुरतपूर्वक काम लेते हैं। उनके बेतनमान विकसित देशों की तुलना में बहुत कम हैं। अन्य सुविधाएं भी न्यूनतम हैं। संगठित क्षेत्र में तो फिर भी उन्हें ठीक-ठाक तनाखाह एवं अन्य सुविधाएं मिलती हैं लेकिन असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मानव संसाधन का एक तरह से कोई माई-बाप ही नहीं है। फिर, ठेका कम्पनियों में और भी बुरा हाल होता है। गिनी के टड्योग-धंधों में श्रमिकों के कल्पणा पर ध्यान दिया जाता है। उन्हें बहुत कम बेतन में और कानूनी रूप से तयशुदा काम के घंटों से अधिक समयावधि तक काम करना होता है।

नारायण मूर्ति की सलाह एक ऐसे व्यक्ति के विचार हैं जो खुद के तथा अपने वर्ग के लोगों के लिये लाभ के नये तरीके ढूँढ़ रहा है। वह भी कम खर्च में। उनकी सलाह अगर मान लाए जाये तो सासाहिक अवकाश को छोड़कर छाड़ दिन हर कर्मचारी-मजदूर को करीब 12 (11.66) घंटे काम करना होगा। भारत के निजी क्षेत्र में अमूमन 6 दिन का ही कार्य-सप्ताह होता है। कहीं-कहीं ही 5 दिन का है। संघवत्तः नारायण मूर्ति को यह गलतफहमी है कि भारत के हर व्यक्ति के पास उनकी तरह नौकर-चाकरों की फौज है। ज्यादातर बड़े शहरों में, खासकर जान बड़े आईटी हब हैं, काम की जगह तक आने-जाने के लिये औसतन तीन-चार घंटे लग जाते हैं। ये केंद्र बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, गुडगांग आदि शहरों में हैं जहाँ अधिकतर कर्मचारी 25-50 किलोमीटर की यात्रा कर काम के स्थान पर पहुंचता है और उन्हें घंटों को पहुंचें। क्या इसके बाद उनके पास अपने परिवारों के लिये कोई समय बच पायेगा? इसान के पास उसके सैकड़ों तरह के निजी काम होते हैं। अगर उनके घंटों में निजी कामों को निपटाने के लिये और कोई घंटों में बचने की पद्धति लिखा जाए तो वे ये काम कैसे कर सकेंगे? मां-बाप की देखरेख से लेकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई सम्बन्धी काम भी उनकी जिम्मेदारियों के हिस्से हैं।

फिर, नारायण मूर्ति ने इस सलाह को ग्राहकाद से जोड़ने की कोशिश की है। उन्होंने 70 घंटे काम करना चीन से मुकाबला करने के लिये जरूरी बताया है। लोगों को उकसाकर उनसे अधिक काम लेने का प्रयास उद्योगों एवं व्यवसायों के लिये कम पैसों में अधिक काम के घंटे निर्मित करना है। भला देश की अम जनता को चीन से स्पर्धी किसलिये करनी है? इससे उसे क्या लाभ होगा, यह समझ से परे है। उदासल नारायण मूर्ति भारत के कूर नियोक्ताओं के प्रतिनिधि की भाषा बोल रहे हैं जिनका जनकल्पणा से कोई बास्ता नहीं है। अमेरिका में व्यवसाय जगत अपने लाभ का करीब 9 फीसदी लोकल्पण (सीएसआर) के लिये खर्च करता है, जबकि भारत में यह कवल 4 प्रतिशत है। नारायण मूर्ति उन्होंने के नुमाईंदे हैं।

हि

न्दी बेल्ट जहाँ की जीत हार ही 2004 के लोकसभा चुनाव का माहोंल बनाएगी वहाँ सबसे पहले छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर को मतदान होगा। पहले चरण का। वहाँ के मुख्यांती भूपेश बघेल ने मतदान के ठीक पहले एक बड़ा जायज सवाल उठाया है। नोटों को खम्ब करने का।

बहुत सही मांग है। हालांकि ठीक मतदान से पहले इस उठाने से इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। यह सरकार में रहते हुए, केन्द्र सरकार में खत्म करने का काम है। मगर विंडबना यह है कि इसे लाया ही यूपीए सरकार के द्वारा था। और वह भी मजबूर है कि सबसे पहले इसे लाया ही छत्तीसगढ़ में किया गया था। 2009 में।

दूरअसल भारत के अधिकांश चुनाव सुधार अति आदर्शात्मक और अव्यवहारिक सोच के शिकार रहे। सबसे पहले शेषन ने बिना यह सोचे कि भारत में लोकतंत्र गरीबों का है वाल राइटिंग (दीवारों पर लिखने) झड़े बैनर, नारों, चुल्हों पर प्रतिवर्धन लगाने, नियंत्रित करने का काम किया। जाहिर है कि वह उस समय के सरकार, जो नरसिंह राव की थी, के बिना अनुमोदन के नहीं हुए। उनके अच्छे पक्ष थीं हैं। मगर गरीबों के चुनाव लड़ने के जो मुख्य साधन होते थे दीवारों पर खड़ रात-रात गत वाला है। औटो-छोटे झड़े बैनर लगा देना वह सब बंद हो गया।

चुनावों का बह सबसे खूबसूरत पहलू था। आज भाजपा के पास बहुत पैसा बचा है। मगर पहले उसके उम्मीदवार भी प्रत्रकार के पांपरागत सधार्णों दीवारों पर लिखने झड़े बैनर लगाने पर निर्भर थे। ऐसे ही लेप्ट पार्टीयों उनके पास और कम साधन हुआ करते थे। मगर शहर गांव की दीवारों रंगते हुए वे लड़ते और जीतते थीं। आज भी पुराने मोहल्लों में दूरदराज के गांवों के खंडरों की दीवारों पर पुराने नारों, चुनाव चिन्ह और प्रत्याशियों के द्वारा दिख जाएं।

आज वह चुनाव पीड़िया लड़ाता है। और वह केवल एक पार्टी के साथ है। बाकी दलों और प्रत्याशियों के पास क्या है? कैसे प्रत्रकार केंद्र वे अपना?

चुनाव सुधार के नाम पर दूसरा बड़ा काम इंवीएम लाना हुआ। यह 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। इसका भी अब कांग्रेस खुल कर विशेष कर रही है। मगर लाने वाली वही थी। दुनिया के कांग्रेस ने एक विशेष विकास के लिये अधिकतम काम लेना चाहता था। वे लगभग गुलामी के हालात थे। जैसे-जैसे प्रबन्धन अधिक वैज्ञानिक एवं मानवीय होता गया और नई शोधों सामने आई, यह पाया गया कि संरुष्ट कर्मचारी अधिक उत्पादन करता है। तभी से लोगों के काम के घंटे घटाये जाने लगे, उन्हें कार्य स्थल से बाहर सुविधाएं दी जाने लगीं। आज आदर्श कार्य पद्धति (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रैक्टिसेस- एसओपी) कर्मचारियों को निचोड़े में नहीं रहन उन्हें बहतर वातावरण प्रदान करने में भरोसा करती है।

इसके विपरीत भारत समेत तृतीय विश्व कहलाने वाले एशियाई, अफ्रीकी, लातिन अमेरिकी के ज्यादातर देशों के औद्योगिक एवं कारोबारी प्रतिष्ठान कर्मचारियों से निषुरतपूर्वक काम लेते हैं। उनके बेतनमान विकसित देशों की तुलना में बहुत कम हैं। अन्य सुविधाएं भी न्यूनतम हैं। संगठित क्षेत्र में तो फिर भी उन्हें ठीक-ठाक तनाखाह एवं अन्य सुविधाएं मिलती हैं लेकिन असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मानव संसाधन का एक तरह से कोई माई-बाप ही नहीं है। फिर, ठेका कम्पनियों में और भी बुरा हाल होता है। गिनी के टड्योग-धंधों में हैं और आदीटीआई और आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा तथा यूरोपीय देशों में भी अधिकतम 41 घंटों का चलन है। इन घंटों में भी उत्पादकता की दर बहुत ऊंची है।

इसके विपरीत भारत विकास और काम करने के लिये अधिकतम 31 घंटे काम लेना चाहिये। अधिकतम 70 घंटे काम करने के लिये अधिकतम 3 घंटे काम लेना चाहिये। अधिकतम 41 घंटे काम करने के लिये अधिकतम 5 घंटे काम लेना चाहिये। अधिकतम 41 घंटे काम करने के लिये अधिकतम 5 घंटे काम लेना चाहिये। अधिकतम 41 घंटे काम करने के लिये अधिकतम 5 घंटे काम लेना चाहिये। अधिकतम 41 घंटे काम करने के लिये अधिकतम 5 घंटे काम लेना चाह

सोशल मीडिया पर गाइड लाइन के तहत करें पोस्ट : दीपक आर्य

सागर, देशबन्धु। विधानसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए कांतपाल असामाजिक तथा शरारीरी तत्वों द्वारा इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया के प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप्प इत्यादि के माध्यम का दुरुपयोग कर साप्रदायिक तथा जातिगत विद्वेष पहचाने संबंधी दुर्भावनाएँ पोस्ट करने की सूचनाएँ प्राप्त होती रही है। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि विधानसभा निर्वाचन की नियत अवधि अंतर्गत सामान्य व्यक्तियों, असामाजिक तथा शरारीरी तत्वों द्वारा इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साप्रदायिक तथा जातिगत विद्वेष दुर्भावनाएँ संरक्षण की पूर्णतः प्रतिबंधित किये जाने की कार्रवाही की जाए। इसके लिए केवल एवं फेसबुक माध्यमिक अधिकारी दीपक आर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोग के संबंध में धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक अंदेशा के तहत निर्वाचन की संभवता दी है। जारी अंदेशा के तहत निर्वाचन संबंधित राजनीतिक दलों एवं अध्यर्थियों के बारे में प्रचार-प्रसार संबंधी

लेख, जिला स्तरीय एमसीएमसी समिति के प्रमाणन के पश्चात ही अपलोड किये जाये। आम जन, राजनीतिक दलों, अध्यर्थियों एवं शासकीय सेवकों द्वारा भी सोशल मीडिया में अदार्श आचार संहित के निवेशों के अधीन रहते हुये लेख व वीडियों अपलोड किये जायें। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म्स जैसे वाट्सएप, फेसबुक, हाईक, एक्स, एसएपएस, इस्ट्रायम इत्यादि का दुरुपयोग कर जातिगत व धार्मिक, सामाजिक भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने, उत्तेजित करने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण और फारवर्ड नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति उत्तरोक ऊपर वर्षित सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म से नहीं करेगा और न ही इसके लिए प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति विकृत फोटो वीडियो आइटिंग, अफवाह या तथ्यों को तोड़ मरोड़कर भड़काने, आइटिंग, वीडियो इत्यादि भी समिति विद्वेष उत्पन्न करने वाले या लोगों अथवा समृद्धय के मध्य घुणा, वैमनस्यता के माध्यम से पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उक्साने या हिंसा फैलाने का प्रवास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति विकृत फोटो वीडियो आइटिंग, अफवाह या तथ्यों को तोड़ मरोड़कर भड़काने, अपारद उत्पन्न करने वाले संदेश विसर्जन से लोग या समृद्धय हिंसा या गैरकानूनी गतिविधियों में संलग्न हो जाये, प्रसारित, फॉरवर्ड नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, समृद्धय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा।

सार-समाचार

आचार्य श्री के अवतरण दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न



सागर, देशबन्धु। आचार्य श्री विद्यासागर के अवतरण दिवस पर धूम पूर्णिमा पर मुनि श्री सुदर्शन सागर एवं क्षुलक श्रीचंद दर द्वारा के मंगल सानिध्य में श्री ज्ञानसागर संस्कार पाठशाला अंकुर कालोनी मकरोनिया के बच्चों ने ड्राइंग कपटीशन में भाग लिया। सुबह आचार्य श्री विद्यासागर की पूजन भी पाठशाला के बच्चों के द्वारा की गई। यह ज्ञानकारी पाठशाला संचालिका माया जैन एवं वर्षा जैन द्वारा।

रॉयल उत्सव मेला संपन्न



सागर, देशबन्धु। तीन दिवसीय रॉयल उत्सव मेला संपन्न हुआ जिसमें करीब 30 स्टॉल लगे। जिनमें ड्रेस एवं साड़ियां, डिजाइनर ज्वेलरी, केक्स, बैकरी आइट्स, होम डेकोर अंदेश इवेंट शिपिंग रहे।

निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेषक सागर पहुंचे

सागर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा विधानसभा निर्वाचन आयोग के लिए लिये जाए तो आम निर्वाचन रूप से संपन्न कराने के लिए पांच सामान्य प्रेषक एवं एक पुलिस प्रेषक नियुक्त किया गया है। सभी प्रेषक सागर के विश्रामगृह सर्किंट हाउस में रहेंगे। जिने के लिए आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए जो सामान्य प्रेषक नियुक्त किये गये, वे सभी भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। इनमें सागर एवं बैज्ञानिक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए के हर्षवर्धन, विधानसभा क्षेत्र खुरुई एवं सुरक्षा के लिए अंधमंडप चंद्रसुरुद्धु, विधानसभा क्षेत्र देवरी के लिए सुनील कमार यादव, विधानसभा बीना के लिए प्रेमकुमार छ्वां आर एवं विधानसभा क्षेत्र नरयावली, रहली के लिए अंबामुथन एमपी नियुक्त किये गये हैं। इसी प्रकार आयोग के द्वारा जिले के आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए जो अनुसंधान अधिकारी के अनुभवी ज्ञान जैन जिसके लिए अन्य साक्षात् विधानसभा क्षेत्र देवरी के लिए के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। इनमें सागर एवं बैज्ञानिक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए के हर्षवर्धन, विधानसभा क्षेत्र खुरुई एवं सुरक्षा के लिए अंधमंडप चंद्रसुरुद्धु, विधानसभा क्षेत्र देवरी के लिए सुनील कमार यादव, विधानसभा बीना के लिए प्रेमकुमार छ्वां आर एवं विधानसभा क्षेत्र नरयावली, रहली के लिए अंबामुथन एमपी नियुक्त किये गये हैं। इसी प्रकार आयोग के लिए भारतीय पुलिस सेवा के प्रकाश डी को पुलिस प्रेषक कराने के लिए भारतीय पुलिस कराना गया है।

विधानसभा चुनाव के लिए रैलीयों एवं सभाओं की अनुमति ऑनलाइन दी

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर दीपक आर्य ने बताया कि जिले की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव के द्वारा राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को सभा के लिए मैदान, रैली निकालने, लाउडस्पीकर, वाहन एवं हेलीपौड़ के लिए अंधवर्धन अधिकारी ने जैन जैसे जातिगत विवाही नियुक्त किये गये, वे सभी भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। इनमें सागर एवं बैज्ञानिक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए के हर्षवर्धन, विधानसभा क्षेत्र खुरुई एवं सुरक्षा के लिए अंधमंडप चंद्रसुरुद्धु, विधानसभा क्षेत्र देवरी के लिए सुनील कमार यादव आदि को अनुमति दी गई है। जिले के लिए भारतीय पुलिस कराने के लिए भारतीय पुलिस प्रेषक कराने के लिए भारतीय पुलिस कराना गया है।

लेख, जिला स्तरीय एमसीएमसी समिति के प्रमाणन के पश्चात ही अपलोड किये जाये। आम जन, राजनीतिक दलों, अध्यर्थियों एवं शासकीय सेवकों द्वारा भी सोशल मीडिया में अदार्श आचार संहित के अधीन रहते हुये लेख व वीडियों अपलोड किये जायें। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म्स जैसे वाट्सएप, फेसबुक, हाईक, एक्स, एसएपएस, इस्ट्रायम इत्यादि का दुरुपयोग कर जातिगत व धार्मिक, सामाजिक भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने, उत्तेजित करने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण और फारवर्ड नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति उत्तरोक ऊपर वर्षित सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म से नहीं करेगा और न ही इसके लिए प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति विकृत फोटो वीडियो आइटिंग, अफवाह या तथ्यों को तोड़ मरोड़कर भड़काने, अपारद उत्पन्न करने वाले संदेश सेविंग्स में संलग्न हो जाये, प्रसारित, फॉरवर्ड नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, समृद्धय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा।

निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न



सागर, देशबन्धु। रविवार को रोटरी क्लब द्वारा अफ सागर के रोटरी कम्युनिटी कार्पेंट आरसोसी के द्वारा रोटरी कम्युनिटी कार्पेंट आरसीटी शतरंज प्रशिक्षण रविवार सुबह 9 बजे काची रेस्टोरेंट सिविल लाइन में रो. इंजी. आशीष सिंह वाकर के मुख्य आयोग, डॉ. आशीष प्रियांता वैज्ञानिक कार्पिं विज्ञान केंद्र, अजय उपाध्याय, प्रभात राणा, डॉ. के.के. शुक्ता, रामबहादुर शाही, रोशनी लोधी की उपस्थिति में किया गया। इस प्रशिक्षण में 12 बच्चों ने संभागिता की। आरसीटी वैज्ञानिक के अध्यक्ष फिडे आर्विंग इंजी. अंकुर सिंह वाकर के द्वारा बच्चों को उनके खेल के स्तर के अनुसार शतरंज की वैज्ञानिकों की वर्कशीट घर ले जाकर खेल करने के लिए दी जिसमें बच्चों को उनके कमजोरियों का पता चले और बच्चे अगली बार उसमें संभाग कर सकें। यह प्रशिक्षण रविवार की सुबह 9 से 11 तक निःशुल्क कांसी वाला रामगंगल वाला 31 अक्टूबर के तर्था अध्यर्थियों एवं नाम वापस लेने की अंतिम तिथि गुरुवार 2 नवंबर नियत की गई है।

नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने का आज अंतिम दिन

सागर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु जारी कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्र जमा करने का आज अंतिम दिन सोमवार 30 अक्टूबर की दोपहर 3 बजे तक का समय नियत किया गया है। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संखी वाली निर्देशन पत्रों की संखी वाली मंगलवार 31 अक्टूबर के तर्था अध्यर्थियों एवं सामाजिक भावना के अन्तिम दिन लेने की अंतिम तिथि गुरुवार 2 नवंबर नियत की गई है।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर रोशनी के निर्देश

सागर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर सभी शासकीय भवनों पर रोशनी की जाये। मध्य प्रदेश दिवस विवाह योग्य जैन व्यापार के बारे में रोशनी की जाये। इस प्रकार के निर्देश सामाजिक भवनों में रोशनी की जायेगी इस प्रकार के निर्देश सामाजिक भवनों में रोशनी वाली निर्देश दिवस पर रोशनी की जायेगी। आम अंदर व्यक्ति विवाह योग्य जैन व्यापार के बारे में रोशनी की जायेगी। आम अंदर व्यक्ति विवाह योग्य जैन व्यापार के बारे में रोशनी की जायेगी। आम अंदर